KVK
RAISEN
DKVAAS
BHOPAL
DKVAAS
किसान मेला
में आपका हार्दिक स्वागत् वंदन अभिनंदन
जिला स्तरीय किसान मेला
में आपका हार्दिक स्वागत् वंदन अभिनंदन

KVK RAISEN

DKVAAS BHOPAL

KVK
RAISEN
ICAR
DKVAAS
BHOPAL
DKVAAS
जिला
स्तरीय
किसान
जिला
स्तरीय
किसान

KVK RAISEN

DKVAAS BHOPAL

KVK RAISEN

DKVAAS BHOPAL

भाकृअनुप
ICAR
KVK
RAISEN
DKVAAS
BHOPAL
DKVAAS

KVK
RAISEN
ICAR
DKVAAS
BHOPAL
DKVAAS
PUSA DECOMPOSER

KVK RAISEN

DKVAAS BHOPAL

Dr. Swapnil Dubey, Sr. Scientist & Head, KVK, Raisen (M.P.)

KVK RAISEN

DKVAAS BHOPAL

Shri. Narendra Shivaji Patel, Minister of State for Public Health and Medical Education of Madhya Pradesh

KVK RAISEN

DKVAAS BHOPAL

Shri. Narendra Shivaji Patel, Minister of State for Public Health and Medical Education of Madhya Pradesh

KVK
RAISEN
ICAR
DKVAAS
BHOPAL
DKVAAS
पटेल एग्रो सेल्स एण्ड सर्विसेज एवं पटेल ट्रेक्टर्स

KVK RAISEN

DKVAAS BHOPAL

Dr. Prabhuram Choudhary, Member of Madhya Pradesh Legislative Assembly from Sanchi in Raisen District.

KVK RAISEN

DKVAAS BHOPAL

Smt. Anju Pawan Bhadoria, CEO, Zila Panchayat, Raisen.

अगले वर्ष 2700 रुपए से अधिक राशि प्रति क्विंटल के मान से गेहूं खरीदा जाएगा

# सरकार गांव, गरीब-किसानों की उन्नति और विकास के लिए लगातार काम कर रही: पटेल

## कृषि विज्ञान केंद्र नकतरा में तीन दिवसीय जिला स्तरीय कृषि विज्ञान मेला का शुभारंभ हुआ

● रायसेन / राज न्यूज नेटवर्क

जिले के ग्राम नकतरा स्थित कृषि विज्ञान केन्द्र में आयोजित तीन दिवसीय जिला स्तरीय कृषि विज्ञान मेले का स्वास्थ्य राज्यमंत्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल तथा सांची विधायक डॉ प्रभुराम चौधरी द्वारा शुभारंभ किया गया। उन्होंने मेला स्थल पर विभिन्न विभागों, प्रगतिशील किसानों तथा कृषि यंत्र प्रदायकों निर्माताओं द्वारा लगाए गए स्टॉल का निरीक्षण कर जानकारी ली। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष यशवंत मीणा, जिला पंचायत की कृषि समिति के अध्यक्ष, जिला पंचायत सदस्य, स्थानीय जनप्रतिनिधि और अधिकारी उपस्थित रहे।

कृषि विज्ञान मेले में स्वास्थ्य रज्यमंत्री श्री पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार और मु यमंत्री डॉ मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार गांव, गरीब और किसानों की चिंता कर रही है! उनके कल्याण और उन्नति के लिए काम कर रही है। स्वास्थ्य राज्यमंत्री श्री पटेल ने कहा कि सरकार द्वारा इस वर्ष किसानों से 2600 रू प्रति क्विंटल के मान से समर्थन मूल्य पर गेहूँ खरीदा जा रहा है और अगले वर्ष 2700 रुपए से अधिक राशि प्रति क्विंटल के मान से गेहूं खरीदा जाएगा। इसके अलावा धान उत्पादक किसानों जिन्होंने पंजीयन कराया है उन्हें बैंक खाते में चार हजार रू प्रति हैक्टेयर के मान से अलग से पैसा मिलेगा। हमारे संवेदनशील प्रधानमंत्री और मु यमंत्री जी किसानों के लिए अनेक योजनाएं संचालित कर रहे हैं। स्वास्थ्य राज्यमंत्री श्री पटेल ने कहा कि सरकार की इन योजनाओं का लाभ किसानों तक सुगमता से पहुंचे,उन्हें खेती की उन्नत और नवीन कृषि तकनीकों की जानकारी हो वह जैविक खेती के लिए प्रोत्साहित हों इसके लिए कृषि विज्ञान मेलों का आयोजन किया जा रहा है।

किसान साथी, कृषि विज्ञान केन्द्रों से खेती की उन्नत तकनीक सीखें जानकारी प्राप्त करें और खेती में अमल करें। जिससे कि कम लागत में अधिक मुनाफा हो। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा किसानों के साथ ही गरीब, युवाओं, महिलाओं,बुजुर्गों समाज के प्रत्येक वर्ग के लिए योजनाएं चलाई जा रही हैं। सभी पात्रतानुसार इन योजनाओं का लाभ लें और आर्थिक प्रगति की ओर अग्रसर हों। कृषि विज्ञान मेले में सांची विधायक डॉ प्रभुराम चौधरी ने कहा कि पहले सिंचाई का रकबा कम था और फसलें भी कम ली जाती थी। लेकिन वर्ष 2004 के बाद प्रदेश में लगातार सिंचाई के रकबे में वृद्धि हुई है जिससे फसलों की उत्पादकता बढ़ी है तथा किसानों की आय भी बढ़ी है। रायसेन जिले में धान का उत्पादन बड़े पैमाने पर हो रहा है। खेती में उन्नत तकनीकों के उपयोग से किसानों को सुविधा भी हुई

है। आज खेती के काम में ड्रोन का उपयोग किया जा रहा है। किसानों की आय बढ़ें उत्पादन की क्षमता बड़े नवीन कृषि तकनीकों का उपयोग हो इसके लिए सरकार लगातार प्रयास कर रही है। विधायक डॉ चौधरी ने कहा कि सरकार द्वारा ज्वार, बाजरा, कोदो, कुटकी सहित अन्य मोटे अनाज मिलेट, की खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है। यह स्वास्थ्य के लाभकारी है। इसके अलावा जैविक खेती को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। जिले में भी अनेक किसानों द्वारा जैविक खेती की जा रही है, जिससे उनकी आय बढ़ी है। उन्होंने कहा कि कृषि विज्ञान केन्द्र में अनाज की उन्नत किस्मों, तरीकों और तकनीकों की जानकारी किसानों को दी जा रही है। सरकार द्वारा किसानों को उन्नत खाद.बीज के साथ ही अनेक कृषि यंत्रों पर अनुदान भी दिया जा रहा है।कृषि विज्ञान मेले में जिला पंचायत सीईओ श्रीमती अंजू पवन भदौरिया ने कहा कि कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा वर्षभर विभिन्न प्रशिक्षणों के माध्यम से किसानों को खेती की नवीन जानकारी दी जाती है। किसान कृषि भूमि में कम खर्च में नवीन तकनीकों से, उन्नत बीज और खाद का उपयोग कर किस प्रकार अधिक उत्पादन प्राप्त कर आमदानी बढ़ा सकते हैं, यही बताने और सिखाने के लिए कृषि विज्ञान मेलों का आयोजन किया जाता है। जिला पंचायत सीईओ ने कहा कि यहां स्टॉल लगाकर उन्नत बीजो, किस्मों, उर्वरकों, कृषि यंत्रों तथा शासन की योजनाओं की जानकारी दी जा रही है। किसान इन स्टॉल का भ्रमण जरूर करें और जानकारी प्राप्त कर खेती में उपयोग करें। उन्होंने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में स्व-सहायता समूहों से जुड़ी अनेक महिलाओं द्वारा उन्नत खेती की जा रही है। इसके अतिरिक्त जिले में सात ड्रोन दीदी भी हैं।कार्यक्रम में कृषि अधिकारी दुष्यंत धाकड़ ने कृषि विज्ञान मेला आयोजन के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि सब मिशन ऑन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन आत्मा, एक जिला एक उत्पाद हेतु प्रशिक्षण एवं मूल्य संवर्धन योजनाए राष्ट्रीय कृषि विकास योजना में कोदो एवं कुटकी के उत्पादन में वृद्धि और मूल्य संवर्धन तथा मप्र राज्य मिलेट मिशन अंतर्गत यह तीन दिवसीय जिला स्तरीय कृषि विज्ञान मेला आयोजित किया गया है। इस जिला स्तरीय कृषि विज्ञान मेले में कृषि विभाग, पंचायत विभाग, उद्यानिकी विभाग, वन विभाग, जल संसाधन विभाग, पशु चिकित्सा विभाग,मत्स्य विभाग, एमपी एग्रो, कृषि विज्ञान केन्द्र नकतरा सहित अन्य विभागों द्वारा प्रदर्शनी लगाकर उन्नत तकनीकी की जानकारी किसानों को दी जा रही है। साथ ही निजी क्षेत्रों के कृषि आदान सामग्री बीज, उर्वरक, कीटनाशक , खरपतवार नाशक, कृषि यंत्र प्रदायकों निर्माताओं द्वारा भी प्रदर्शनी लगाई गई है। कृषक वैज्ञानिक परिचर्चा के दौरान डॉ स्वप्निल दुबे, वरिष्ठ वैज्ञानिक व प्रमुख कृषि विज्ञान केन्द्र रायसेन, वैज्ञानिक डॉ प्रदीप कुमार द्विवेदी, सुनील केथवास के द्वारा कृषकों द्वारा पूछे के प्रश्नों का उत्तर देकर उनका समाधान किया गया। इस कार्यक्रम में जिले के सातों विकासखण्ड के लगभग 2500 कृषकों व महिला कृषकों ने भाग लिया। कार्यक्रम संचालन कमलेश बहादुर के द्वारा व आभार प्रदर्शन डॉ स्वप्निल दुबे द्वारा किया गया।

### कृषि प्रदर्शनी का किया शुभारंभ

जिला स्तरीय कृषि विज्ञान मेला स्थल पर विभिन्न विभागों तथा प्रगतिशील किसानों द्वारा अपने उत्पादों की प्रदर्शनी भी लगाई गई जिसका शुभारंभ स्वास्थ्य राज्यमंत्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल और सांची विधायक डॉ प्रभुराम चौधरी द्वारा किया गया। उन्होंने प्रत्येक स्टॉल पर जाकर उन्नत किस्मों, बीजों, उर्वरक, कृषि यंत्रों तथा अवलोकन कर जानवकारी ली।

दैनिक भास्कर

# रायसेन 26-03-2025

कृषि विज्ञान केन्द्र नकतरा में तीन दिवसीय जिला स्तरीय कृषि विज्ञान मेला शुरू

## गांव, गरीब और किसानों की उन्नति के लिए काम कर रही सरकार: राज्यमंत्री पटेल

भास्कर संवाददाता | रायसेन

जिले के ग्राम नकतरा स्थित कृषि विज्ञान केन्द्र में तीन दिवसीय जिला स्तरीय कृषि विज्ञान मेले का शुभारंभ स्वास्थ्य राज्यमंत्री और सांची विधायक ने किया। उन्होंने मेला स्थल पर विभिन्न विभागों, प्रगतिशील किसानों और कृषि यंत्र प्रदायकों द्वारा लगाए गए स्टॉल का निरीक्षण किया। इस दौरान स्वास्थ्य राज्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार गांव, गरीब और किसानों की चिंता कर रही है। इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष यशवंत मीणा, कृषि समिति के अध्यक्ष, जिला पंचायत सदस्य, स्थानीय जनप्रतिनिधि और अधिकारी मौजूद रहे।

**सिंचाई का रकबा बढ़ा, किसानों की आय में इजाफा:** सांची विधायक डॉ. प्रभुराम चौधरी ने कहा कि पहले सिंचाई का रकबा कम था और फसलें भी कम होती थीं। वर्ष 2004 के बाद प्रदेश में सिंचाई का रकबा लगातार बढ़ा है।

### 3 दिन चलेगा कृषि मेला

जिला पंचायत सीईओ अंजू पवन भदौरिया ने कहा कि कृषि विज्ञान केन्द्र सालभर विभिन्न प्रशिक्षणों के माध्यम से किसानों को खेती की नवीन जानकारी देता है। कृषि अधिकारी दुष्यंत धाकड़ ने बताया कि यह मेला सब मिशन ऑन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन (आत्मा), एक जिला एक उत्पाद योजना, राष्ट्रीय कृषि विकास योजना और मप्र राज्य मिलेट मिशन के तहत आयोजित किया गया है।

patrika.com पत्रिका. भोपाल, बुधवार, 26 मार्च, 2025

तीन दिवसीय कृषि मेले का शुभारंभ

## किसानों की उन्नति के लिए काम कर रही है सरकार: राज्यमंत्री

रायसेन. प्रदेश सरकार गांव, गरीब और किसानों की चिंता कर रही है। उनके कल्याण और उन्नति के लिए काम कर रही है। योजनाओं का लाभ किसानों तक सुगमता से पहुंचे, उन्हें खेती की उन्नत और नवीन तकनीकों की जानकारी हो, वह जैविक खेती के लिए प्रोत्साहित हों, इसके लिए कृषि विज्ञान मेलों का आयोजन किया जा रहा है। यह बात स्वास्थ्य राज्यमंत्री नरेंद्र पटेल ने कृषि विज्ञान केंद्र में तीन दिवसीय कृषि मेला का शुभारंभ करते हुए कही। उन्होंने कहा कि किसान साथी, कृषि विज्ञान केन्द्रों से खेती की उन्नत तकनीक सीखें, जानकारी प्राप्त करें और खेती में अमल करें। जिससे कि कम लागत में अधिक मुनाफा हो।

मेले का शुभारंभ राज्यमंत्री तथा विधायक डॉ. प्रभुराम चौधरी ने किया। उन्होंने मेला स्थल पर विभिन्न विभागों, प्रगतिशील किसानों तथा कृषि यंत्र निर्माताओं द्वारा लगाए गए स्टॉल का निरीक्षण कर जानकारी ली। डॉ. चौधरी ने भी संबोधित किया। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा ज्वार, बाजरा, कोदो, कुटकी सहित अन्य मोटे अनाज की खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है। यह स्वास्थ्य के लाभकारी है। सीइओ अंजू भदौरिया ने कहा कि कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा विभिन्न प्रशिक्षणों के माध्यम से किसानों को खेती की नवीन जानकारी दी जाती है। किसान कृषि भूमि में कम खर्च में नवीन तकनीकों सेए उन्नत बीज और खाद का उपयोग कर किस प्रकार अधिक उत्पादन प्राप्त कर आमदानी बढ़ा सकते हैं, यही बताने और सिखाने के लिए कृषि विज्ञान मेलों का आयोजन किया जाता है।

# सरकार गांव, गरीब और किसानों की उन्नति और विकास के लिए लगातार काम कर रही है- स्वास्थ्य राज्यमंत्री श्री पटेल

## कृषि विज्ञान केन्द्र नकतरा में तीन दिवसीय जिला स्तरीय कृषि विज्ञान मेला शुरू

■ नर्मदा की पुकार

**रायसेन।** जिले के ग्राम नकतरा स्थित कृषि विज्ञान केन्द्र में आयोजित तीन दिवसीय जिला स्तरीय कृषि विज्ञान मेले का स्वास्थ्य राज्यमंत्री श्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल तथा सांची विधायक डॉ प्रभुराम चौधरी द्वारा शुभारंभ किया गया। उन्होंने मेला स्थल पर विभिन्न विभागों, प्रगतिशील किसानों तथा कृषि यंत्र प्रदायकों/निर्माताओं द्वारा लगाए गए स्टॉल का निरीक्षण कर जानकारी ली। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्री यशवंत मीणा, जिला पंचायत की कृषि समिति के अध्यक्ष, जिला पंचायत सदस्य, स्थानीय जनप्रतिनिधि और अधिकारी उपस्थित रहे।

कृषि विज्ञान मेले में स्वास्थ्य राज्यमंत्री श्री पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार और मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार गांव, गरीब और किसानों की चिंता कर रही है! उनके कल्याण और उन्नति के लिए काम कर रही है। स्वास्थ्य राज्यमंत्री श्री पटेल ने कहा कि सरकार द्वारा इस वर्ष किसानों से 2600 रू प्रति क्विंटल के मान से समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदा जा रहा है और अगले वर्ष 2700 रू से अधिक राशि प्रति क्विंटल के मान से गेहूं खरीदा जाएगा। इसके अलावा धान उत्पादक किसानों, जिन्होंने पंजीयन कराया है उन्हें बैंक खाते में चार हजार रू प्रति हैक्टेयर के मान से अलग से पैसा मिलेगा। हमारे संवेदनशील प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री जी किसानों के लिए अनेक योजनाएं संचालित कर रहे है।

स्वास्थ्य राज्यमंत्री श्री पटेल ने कहा कि सरकार की इन योजनाओं का लाभ किसानों तक सुगमता से पहुंचे, उन्हें खेती की उन्नत और नवीन कृषि तकनीकों की जानकारी हो, वह जैविक खेती के लिए प्रोत्साहित हों, इसके लिए कृषि विज्ञान मेलों का आयोजन किया जा रहा है। किसान साथी, कृषि विज्ञान केन्द्रों से खेती की उन्नत तकनीक सीखें, जानकारी प्राप्त करें और खेती में अमल करें। जिससे कि कम लागत में अधिक मुनाफा हो। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा किसानों के साथ ही गरीब, युवाओं, महिलाओं, बुजुर्गों समाज के प्रत्येक वर्ग के लिए योजनाएं चलाई जा रही हैं। सभी पात्रतानुसार इन योजनाओं का लाभ लें और आर्थिक प्रगति की ओर अग्रसर हों।

कृषि विज्ञान मेले में सांची विधायक डॉ प्रभुराम चौधरी ने कहा कि पहले सिंचाई का रकबा कम था और फसलें भी कम ली जाती थी। लेकिन वर्ष 2004 के बाद प्रदेश में लगातार सिंचाई के रकबे में वृद्धि हुई है जिससे फसलों की उत्पादकता बढ़ी है तथा किसानों की आय भी बढ़ी है। रायसेन जिले में धान का उत्पादन बड़े पैमाने पर हो रहा है। खेती में उन्नत तकनीकों के उपयोग से किसानों को सुविधा भी हुई है। आज खेती के काम में ड्रोन का उपयोग किया जा रहा है। किसानों की आय बढ़े, उत्पादन की क्षमता बढ़े, नवीन कृषि तकनीकों का उपयोग हो इसके लिए सरकार लगातार प्रयास कर रही है।

विधायक डॉ चौधरी ने कहा कि सरकार द्वारा ज्वार, बाजरा, कोदो, कुटकी सहित अन्य मोटे अनाज (मिलेट) की खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है। यह स्वास्थ्य के लाभकारी है। इसके अलावा जैविक खेती को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। जिले में भी अनेक किसानों द्वारा जैविक खेती की जा रही है, जिससे उनकी आय बढ़ी है। उन्होंने कहा कि कृषि विज्ञान केन्द्र में अनाज की उन्नत किस्मों, तरीकों और तकनीकों की जानकारी किसानों को दी जा रही है। सरकार द्वारा किसानों को उन्नत खाद-बीज के साथ ही अनेक कृषि यंत्रों पर अनुदान भी दिया जा रहा है।

कृषि विज्ञान मेले में जिला पंचायत सीईओ श्रीमती अंजू पवन भदौरिया ने कहा कि कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा वर्षभर विभिन्न प्रशिक्षणों के माध्यम से किसानों को खेती की नवीन जानकारी दी जाती है। किसान कृषि भूमि में कम खर्च में नवीन तकनीकों से, उन्नत बीज और खाद का उपयोग कर किस प्रकार अधिक उत्पादन प्राप्त कर आमदानी बढ़ा सकते हैं, यही बताने और सिखाने के लिए कृषि विज्ञान मेलों का आयोजन किया जाता है। जिला पंचायत सीईओ ने कहा कि यहां स्टॉल लगाकर उन्नत बीजों, किस्मों, उर्वरकों, कृषि यंत्रों तथा शासन की योजनाओं की जानकारी दी जा रही है। किसान इन स्टॉल का भ्रमण जरूर करें और जानकारी प्राप्त कर खेती में उपयोग करें। उन्होंने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में स्व-सहायता समूहों से जुड़ी अनेक महिलाओं द्वारा उन्नत खेती की जा रही है। इसके अतिरिक्त जिले में सात ड्रोन दीदी भी हैं।

कार्यक्रम में कृषि अधिकारी श्री दुष्यंत धाकड़ ने कृषि विज्ञान मेला आयोजन के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि सब मिशन ऑन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन (आत्मा), एक जिला एक उत्पाद हेतु प्रशिक्षण एवं मूल्य संवर्धन योजना, राष्ट्रीय कृषि विकास योजना में कोदो एवं कुटकी के उत्पादन में वृद्धि और मूल्य संवर्धन तथा मप्र राज्य मिलेट मिशन अंतर्गत यह तीन दिवसीय जिला स्तरीय कृषि विज्ञान मेला आयोजित किया गया है। इस जिला स्तरीय कृषि विज्ञान मेले में कृषि विभाग, पंचायत विभाग, उद्यानिकी विभाग, वन विभाग, जल संसाधन विभाग, पशु चिकित्सा विभाग, मत्स्य विभाग, एमपी एग्रो, कृषि विज्ञान केन्द्र नकतरा सहित अन्य विभागों द्वारा प्रदर्शनी लगाकर उन्नत तकनीकी की जानकारी किसानों को दी जा रही है। साथ ही निजी क्षेत्रों के कृषि आदान सामग्री बीज, उर्वरक, कीटनाशक, खरपतवार नाशक, कृषि यंत्र प्रदायकों/निर्माताओं द्वारा भी प्रदर्शनी लगाई गई है।

### कृषि प्रदर्शनी का किया शुभारंभ

जिला स्तरीय कृषि विज्ञान मेला स्थल पर विभिन्न विभागों तथा प्रगतिशील किसानों द्वारा अपने उत्पादों की प्रदर्शनी भी लगाई गई, जिसका शुभारंभ स्वास्थ्य राज्यमंत्री श्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल और सांची विधायक डॉ प्रभुराम चौधरी द्वारा किया गया। उन्होंने प्रत्येक स्टॉल पर जाकर उन्नत किस्मों, बीजों, उर्वरक, कृषि यंत्रों तथा अवलोकन कर जानकारी ली। साथ ही प्रगतिशील किसानों से भी कृषि उत्पादों के बारे में संवाद किया।

किसान मेला

## मिलेट्स की खेती पर केंद्रित रहा किसान सम्मेलन का दूसरा दिन, फसलों की उन्नत प्रजातियों की दी जानकारी

# मोटे अनाज के बताए फायदे, प्रशिक्षण में बताया कि कैसे उगाएं

नवदुनिया प्रतिनिधि, रायसेन: कृषि विज्ञान केंद्र नकतरा में आयोजित तीन दिवसीय किसान मेला एवं प्रदर्शनी के दूसरे दिन किसानों को मोटे अनाज की खेती के फायदे और वैज्ञानिक तरीके से इन्हें उगाने की विधि पर प्रशिक्षण दिया गया। इस कार्यक्रम में रायसेन जिले के विभिन्न विकासखंडों से बड़ी संख्या में किसान और महिलाएँ शामिल हुईं।

कार्यक्रम के दौरान कृषि वैज्ञानिक डॉ. प्रदीप कुमार द्विवेदी ने मोटे अनाजों के पोषण संबंधी लाभ पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इन फसलों में प्रोटीन, विटामिन, मिनरल्स और कार्बोहाइड्रेट्स प्रचुर मात्रा में होते हैं, जो किसानों के लिए एक लाभकारी विकल्प हैं। इसके अलावा, इन फसलों को कम जल, कम खाद और कम भूमि में उगाया जा सकता है, जो इसे छोटे और सीमांत किसानों के लिए आदर्श बनाता है।

किसान मेला में दूसरे दिन मोटे अनाज की खेती का प्रशिक्षण दिया गया। ● नवदुनिया

उन्होंने कोदो, कुटकी, ज्वार, बाजरा, रागी और चीना जैसी फसलों की उन्नत प्रजातियों के बारे में जानकारी दी और इनकी खेती करने के वैज्ञानिक तरीके बताए। विशेष रूप से कोदो की उन्नत किस्म जेकेएम-137, रागी की उन्नत किस्म छत्तीसगढ़ रागी-3 और ज्वार की उन्नत किस्म जवाहर ज्वार-1041 को लेकर किसानों को विस्तार से बताया गया कि कैसे इन फसलों से बेहतर उत्पाद प्राप्त किए जा सकते हैं।

वैज्ञानिक रंजीत सिंह राघव ने खरीफ और रबी की फसलों में पोषक तत्वों के एकीकृत प्रबंधन, मृदा परीक्षण और जैविक खेती के फायदे पर जोर दिया। उन्होंने केंचुआ खाद, नरवाई प्रबंधन और आधुनिक कृषि यंत्रों के उपयोग के माध्यम से किसानों को लागत कम करने और उत्पादन बढ़ाने के तरीके बताए।

कार्यक्रम के अंतर्गत, उपसंचालक कृषि दुष्यंत कुमार धाकड़ ने रायसेन जिले में मोटे अनाजों की खेती की अपार संभावनाओं के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि जिले की जलवायु और मृदा इन फसलों के लिए उपयुक्त है और कृषि विभाग द्वारा किसानों को इनकी खेती के प्रति जागरूक किया जा रहा है। कार्यक्रम में कृषि विभाग के अन्य वैज्ञानिकों ने भी किसानों को खेती के नवीनतम उपायों और यंत्रों के बारे में जानकारी दी। सम्मेलन का तीसरा दिन भी कृषि से संबंधित नई तकनीकों और योजनाओं पर केंद्रित रहेगा।

आयोजन

### जिला स्तरीय आत्मा योजनांतर्गत तीन दिवसीय किसान मेला एवं प्रदर्शनी का समापन

# गरीब, युवा, अन्नदाता, महिलाओं का हो रहा चहुंमुखी विकास: रामपाल सिंह

**रायसेन (आरएनएन)।** किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग रायसेन द्वारा आत्मा योजनान्तर्गत तीन दिवसीय किसान मेला एवं प्रदर्शनी का समापन रामपाल सिंह राजपूत पूर्व विधायक सिलवानी, यशवंत मीणा, जिला पंचायत अध्यक्ष, राकेश शर्मा भाजपा जिला अध्यक्ष रायसेन, लोकेश मिश्रा कृषि स्थायी समिति अध्यक्ष एवं जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में किया गया।

कार्यक्रम के समापन अवसर पर संबोधित करते हुए रामपाल सिंह ने कहा कि केन्द्र व राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं के माध्यम से गरीब, युवा, अन्नदाता, महिलाओं का चहुमुखी विकास किया जा रहा है। कृषि विभाग, उद्यान विभाग, मत्स्य विभाग, पशुपालन विभाग की विभिन्न योजनाओं का लाभ लेकर कृषक खेती को लाभकारी बनायें व रायसेन जिले का प्रदेश व देश के स्तर पर ऊंचा नाम हो सके। राकेश शर्मा ने कहा कि केन्द्र में नरेन्द्र मोदी एवं राज्य में डॉ मोहन यादव के नेतृत्व में चलायी जा रही विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से सभी का सर्वांगीण विकास किया जा

रहा है। यशवंत मीणा ने कहा कि कृषि को लाभकारी बनाने के लिए कृषकों को उन्नत तकनीक के साथ फसल उत्पादन के साथ.साथ सब्जी, फल, फूल, पशुपालन व बकरी पालन जैसी तकनीक का उपयोग कर अच्छा लाभ कमाया जा सकता है।कार्यक्रम के तृतीय दिन मध्यप्रदेश राज्य मिलेट योजनान्तर्गत अन्न,ज्वार, बाजरा,कोदो, कुटकी, रागी, चेना आदि फसलों के उत्पादन व प्रसंस्करण स बन्धी तकनीकी मार्गदर्शन कृषको को दिया गया एवं एक जिला एक उत्पाद के अंतर्गत बासमती धान के उत्पादन स बन्धी जानकारी विस्तार पूर्वक दी गयी।वरिष्ठ वैज्ञानिक व प्रमुख डॉ स्वप्निल दुबे द्वारा बताया गया कि रायसेन जिले में बासमती धान लगभग 2,45,000 हैक्टेयर में खेती कर छह लाख मीट्रिक टन धान का उत्पादन किया जा रहा है। जिले में 31 राइस मिल संचालित की जा रही हैं जिनमें चावल की ब्रांडिंग, भोग, रिवाज एवं रेवा भोग के नाम से देश के विभिन्न क्षेत्रों में भेजी जा रही है।बाहर के देशों में बासमती धान का जो निर्यात किया जाता है, उसके भौतिक मापदण्ड में नमी की मात्रा 13 प्रतिशत अधिकतम, कंकड़ मिट्टी इत्यादि की मात्रा नहीं टूटे दाने की मात्रा 3.5 प्रतिशत अधिकतम, अन्य किस्म के चावल के दाने 4 प्रतिशत अधिकतम व कुकिंग गुणवत्ता में चिपचिपा पन नही पानी सोखने की क्षमता 79 से 83 प्रतिशत तक देखी जाती है।वैज्ञानिक डॉ मुकुल कुमार द्वारा उद्यानिकी फसलो, ड्रिप व मल्चिंग, सघन बागवानी, औषधीय फसलों सब्जी की खेती इत्यादि विषय पर विस्तार से जानकारी प्रदान की गयी।वैज्ञानिक रंजीत सिंह राघव द्वारा रबी फसलों की कटाई के बाद नरवाई में आग न लगाने की सलाह दी गयी, हार्वेस्टर से गेहूं की कटाई के बाद भूंसा बनाने एवं रोटावेटर व डिस्क हैरो का उपयोग कर नरवाई को मिट्टी में मिलाने की जानकारी कृषकों प्रदान की गयी।उपसंचालक कृषि रायसेन दुष्यंत कुमार धाकड़ के द्वारा बताया गया कृषि विभाग द्वारा भी मिलेट्स का ब्लॉक व पंचायत स्तर पर प्रचार प्रसार किया जा रहा है। कम पानी, कम उपजाऊ भूमि, कम खाद, पानी व कम उत्पादन लागत में मोटा अनाज की खेती की जा सकती है। रायसेन जिले की मृदा, जलवायु मोटा अनाज की खेती के लिए उपयुक्त है।मेले के समापन अवसर पर कृषि के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कृषक बसंत कुमार, तुलाराम कुशवाह , बेनी सिंह ठाकुर, भूरे सिंह श्रीमती रामकली बाई, भंवर लाल, विष्णु मालवीय आदि को प्रमाण पत्र देकर स मानित किया गया।

अमर वाणी

शत्रु के साथ मृदुता
का व्यवहार अपकीर्ति
का कारण बनता है और
पुरुषार्थ यश का।
- रामनरेश त्रिपाठी

भोपाल, सतना व रीवा से एक साथ प्रकाशित

सच्चाई भी, अच्छाई भी

# स्टार समाचार

facebook.com/starsamachar twitter.com/starsamachar www.starsamachar.com

वर्ष 12 अंक 161 भोपाल, शुक्रवार, 28 मार्च 2025 पृष्ठ-8 मूल्य ₹3.00

## जिला स्तरीय तीन दिवसीय किसान मेला एवं प्रदर्शनी का हुआ समापन, कृषकों को सम्मानित कर दिए गए प्रमाण पत्र

# सरकार की योजनाओं का लाभ लेकर कृषक खेती को लाभकारी बनाएं : ठा. रामपाल सिंह

स्टार समाचार | रायसेन

किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग रायसेन द्वारा आत्मा योजनान्तर्गत तीन दिवसीय किसान मेला एवं प्रदर्शनी का समापन पूर्व मंत्री रामपाल सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष यशवंत मीणा, जिला पंचायत अध्यक्ष राकेश शर्मा, लोकेश मिश्रा कृषि स्थायी समिति अध्यक्ष एवं जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में किया गया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर संबोधित करते हुए ठाकुर रामपाल सिंह ने कहा कि केन्द्र व राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं के माध्यम से गरीब, युवा, अन्नदाता, महिलाओं का चहुमुखी विकास किया जा रहा है।

कृषि विभाग, उद्यान विभाग, मत्स्य विभाग, पशुपालन विभाग की विभिन्न योजनाओं का लाभ लेकर कृषक खेती को लाभकारी बनायें व रायसेन जिले का प्रदेश व देश के स्तर पर ऊंचा नाम हो सके। राकेश शर्मा ने कहा कि केन्द्र में नरेन्द्र मोदी एवं राज्य में डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में चलाई जा रही विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से सभी का सर्वांगीण विकास किया जा रहा है। यशवंत मीणा ने कहा कि कृषि को लाभकारी बनाने के लिए कृषकों को उन्नत तकनीक के साथ फसल उत्पादन के साथ-साथ सब्जी, फल, फूल, पशुपालन व बकरी पालन जैसी तकनीक का उपयोग कर अच्छा लाभ कमाया जा सकता है। कार्यक्रम के तृतीय दिन मध्यप्रदेश राज्य मिलेट योजनान्तर्गत श्री अन्न, ज्वार, बाजरा, कोदो, कुटकी, रागी, चेना आदि फसलों के उत्पादन व प्रसंस्करण सम्बन्धी तकनीकी मार्गदर्शन कृषको को दिया गया एवं एक जिला एक उत्पाद के अंतर्गत बासमती धान के उत्पादन सम्बन्धी जानकारी विस्तार पूर्वक दी गयी। वरिष्ठ वैज्ञानिक व प्रमुख डॉ. स्वप्निल दुबे द्वारा बताया गया कि रायसेन जिले में बासमती धान लगभग 2,45,000 हैक्टेयर में खेती कर छह लाख मीट्रिक टन धान का उत्पादन किया जा रहा है। जिले में 31 राइस मिल संचालित की जा रही हैं, जिनमें चावल की ब्रांडिंग, भोग, रिवाज एवं रेवा भोग के नाम से देश के विभिन्न क्षेत्रों में भेजी जा रही है। बाहर के देशों में बासमती धान का जो निर्यात किया जाता है, उसके भौतिक मापदण्ड में नमी की मात्रा 13 प्रतिशत (अधिकतम), कंकड़, मिट्टी इत्यादि की मात्रा नहीं, टूटे दाने की मात्रा 3.5 प्रतिशत अधिकतम, अन्य किस्म के चावल के दाने 4 प्रतिशत अधिकतम व कुकिंग गुणवत्ता में चिपचिपा पन नही, पानी सोखने की क्षमता 79 से 83 प्रतिशत तक देखी जाती है। वैज्ञानिक डॉ. मुकुल कुमार द्वारा उद्यानिकी फसलों, ड्रिप व मल्चिंग, सघन बागवानी, औषधीय फसलों, सब्जी की खेती इत्यादि विषय पर विस्तार से जानकारी प्रदान की गयी। वैज्ञानिक रंजीत सिंह राघव द्वारा रबी फसलों की कटाई के बाद नरवाई में आग न लगाने की सलाह दी गयी, हार्वेस्टर से गेहूं की कटाई के बाद भूंसा बनाने एवं रोटावेटर व डिस्क हैरो का उपयोग कर नरवाई को मिट्टी में मिलाने की जानकारी कृषकों प्रदान की गयी। उपसंचालक कृषि, दुष्यंत कुमार धाकड़ के द्वारा बताया गया कृषि विभाग द्वारा भी मिलेट्स का ब्लॉक व पंचायत स्तर पर प्रचार प्रसार किया जा रहा है।

कम पानी, कम उपजाऊ भूमि, कम खाद, पानी व कम उत्पादन लागत में मोटा अनाज की खेती की जा सकती है। रायसेन जिले की मृदा, जलवायु मोटा अनाज की खेती के लिए उपयुक्त है। मेले के समापन अवसर पर कृषि के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कृषक बसंत कुमार, तुलाराम कुशवाह बेनी सिंह ठाकुर, भूरे सिंह, श्रीमती रामकली बाई, भंवर लाल, विष्णु मालवीय आदि को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

पत्रिका. भोपाल, शुक्रवार, 28 मार्च, 2025

खेती-किसानी

## जिला स्तरीय तीन दिवसीय किसान मेला एवं प्रदर्शनी का समापन

# उन्नत तकनीक के साथ करें फल-सब्जी की खेती

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

रायसेन. उत्कृष्ट किसानों को किया सम्मानित।

**रायसेन.** किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग द्वारा आत्मा योजनान्तर्गत आयेजित तीन दिवसीय कृषि विज्ञान मेला एवं प्रदर्शनी का गुरुवार को समापन हुआ। समापन कार्यक्रम में वक्ताओं ने किसानों ने सरकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए उन्नत तकनीक के साथ सब्जी, फल, फूल, पशुपालन व बकरी पालन जैसी तकनीक का उपयोग कर अच्छा लाभ कमाने के लिए प्रेरित किया।

समापन कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष यशवंत मीणा, रामपाल सिंह राजपूत, जिला जिला भाजपा अध्यक्ष राकेश शर्मा, स्थायी कृषि समिति अध्यक्ष लोकेश मिश्रा मोजूद थे। रामपाल सिंह ने कृषि, उद्यान, मत्स्य, पशुपालन विभाग की विभिन्न योजनाओं का लाभ लेकर कृषक खेती को लाभकारी बनाने की अपील की। अंतिम दिन मध्यप्रदेश राज्य मिलेट योजनान्तर्गत श्री अन्न, ज्वार, बाजरा, कोदो, कुटकी, रागी, चेना आदि फसलों के उत्पादन व प्रसंस्करण सम्बन्धी तकनीकी मार्गदर्शन दिया गया। एक जिला एक उत्पाद के अंतर्गत बासमती धान के उत्पादन सम्बन्धी जानकारी दी गई। वैज्ञानिक डॉ. स्वप्निल दुबे ने बताया कि जिले में बासमती धान लगभग 2.45 लाख हैक्टेयर में खेती कर छह लाख मीट्रिक टन धान का उत्पादन किया जा रहा है।

जिले में 31 राइस मिल संचालित की जा रही हैं, चावल की ब्रांडिग देश के विभिन्न क्षेत्रों में की जा रही है। वैज्ञानिक डॉ. मुकुल कुमार ने उद्यानिकी फसलों, ड्रिप व मल्चिंग, सघन बागवानी, औषधीय फसलों, सब्जी की खेती के बारे में जानकारी दी। रंजीत सिंह राघव ने रबी फसलों की कटाई के बाद नरवाई में आग नहीं लगाने की सलाह दी। उपसंचालक कृषि दुष्यंत कुमार धाकड़ ने बताया कि कम पानी, कम उपजाऊ भूमि, कम खाद, पानी व कम उत्पादन लागत में मोटा अनाज की खेती की जा सकती है। अंत में उत्कृष्ट कृषि कार्य करने वाले किसानों को सम्मानित किया गया।

---

रायसेन भास्कर
बरेली ▸ बेगमगंज ▸ गैरतगंज ▸ सिलवानी ▸ उदयपुरा ▸ सांची
भोपाल, शुक्रवार, 28 मार्च, 2025 चैत्र कृष्ण पक्ष-14, 2081

# योजनाओं का लाभ लेकर खेती को लाभकारी बनाएं: रामपाल सिंह

## जिला स्तरीय किसान मेला और प्रदर्शनी का समापन

भास्कर संवाददाता | रायसेन

कार्यक्रम में बोलते सिलवानी के पूर्व विधायक ठाकुर रामपाल सिंह राजपूत।

किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग द्वारा आयोजित तीन दिवसीय किसान मेला एवं प्रदर्शनी का समापन पूर्व विधायक रामपाल सिंह राजपूत, जिला पंचायत अध्यक्ष यशवंत मीणा, भाजपा जिला अध्यक्ष राकेश शर्मा, कृषि स्थायी समिति अध्यक्ष लोकेश मिश्रा और अन्य जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में हुआ। रामपाल सिंह ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं से गरीब, युवा, किसान और महिलाओं का विकास हो रहा है। कृषि, उद्यान, मत्स्य और पशुपालन विभाग की योजनाओं का लाभ लेकर किसान खेती को लाभकारी बना सकते हैं। इससे रायसेन जिले का नाम प्रदेश और देश में ऊंचा होगा।

राकेश शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री मोहन यादव के नेतृत्व में जनकल्याणकारी योजनाओं से सभी का विकास हो रहा है। यशवंत मीणा ने कहा कि उन्नत तकनीक अपनाकर किसान फसल उत्पादन के साथ सब्जी, फल, फूल, पशुपालन और बकरी पालन से भी अच्छा लाभ कमा सकते हैं। मेले के तीसरे दिन मिलेट योजना के तहत ज्वार, बाजरा, कोदो, कुटकी, रागी और चेना जैसी फसलों के उत्पादन और प्रसंस्करण पर तकनीकी मार्गदर्शन दिया गया।